Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023

❖ हालिया संदर्भ :

- भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI) द्वारा हाल ही में जारी 18वीं वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) 2023 जारी की गई है।
- *** इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2021 की तुलना में 2023 में वनावरण (Forest Cover) में 156 km^2 की मामूली वृद्धि हुई है, वहीं इस दौरान वृक्षावरण (Tree Cover) में 1289 km^2 की वृद्धि दर्ज की गई है।

❖ ** रिकॉर्ड आंकड़ा :

- पहली बार ऐसा हुआ है कि भारत का हरित क्षेत्र (Green Cover) 25% की सीमा को पार कर गया है।
- देश के कुल क्षेत्रफल का 25.17% अब वनावरण एवं वृक्षावरण के अंतर्गत आता है जिसमें वनावरण का योगदान 21.76 % एवं वृक्षावरण का योगदान 3.41% है।
- देश में कुल 8,27,357 km^2 का क्षेत्र हरित आवरण के अंतर्गत शामिल है।

- **Imp भारत में वर्ष 1987 से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रत्येक 2 वर्ष की अवधि के लिए ISFR जारी किया जाता है।
- 2021 में जारी किया गया ISFR क्रम का 17वां था।
- इससे संबंधित आंकड़े भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा इकट्ठा किया जाता है।

❖ वृक्षावरण :

- *** 1 हेक्टेयर से छोटे क्षेत्र में फैले हरित आवरण को 'वन' में शामिल नहीं किया जाता है और 2009 से FSI द्वारा इसे 'वृक्ष क्षेत्र' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- *** 18वीं रिपोर्ट के अनुसार, वृक्षावरण में सबसे तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है।
- 2003 में यह भारतीय क्षेत्रफल का 3.04% था, जो 2011 में घटकर 2.76% हो गया, वहीं 2021 में यह बढ़कर 2.91% एवं 2023 में 3.41% हो गया।
- **2021-2023 की अवधि में वृक्षावरण में 0.5% की वृद्धि दर्ज की गई।

❖ वनावरण

- *** 2021-2023 की अवधि में वनावरण में 0.5% की मामूली वृद्धि दर्ज की गई।
- 2003–2013 के अवधि में वनावरण में 0.61% की वृद्धि हुई, जबकि अगले 10 वर्षों में इसमें केवल 0.53% की वृद्धि हुई।

❖ वर्गीकरण :

- भूमि उपयोग या स्वामित्व से परे, 1 हेक्टेयर या उससे बड़े हरित क्षेत्र, जिसका न्यूनतम छत्र आवरण (Canopy) 10% हो, वनावरण के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- *** 10–40% Canopy वाले वन को खुले वन (Open Forest, OF) के रूप में, 40–70% Canopy वाले वन को मध्यम सघन वन (MDF) एवं 70% से ज्यादा Canopy वाले वन को बहुत घने वन (VDF) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- रिपोर्ट के अनुसार 4,10,175 km^2 क्षेत्र घने वनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

❖ संशोधन :

- जलवायु एवं मानव–समर्थित कारकों (वनारोपण, कटाई, आग, विकास) आदि के कारण जंगल का घनत्व श्रेणी बदल सकता है।

- VDF क्षेत्र MDF या OF में अथवा OF MDF या VDF में या MDF OF या VDF में परिवर्तित हो सकता है।
- वनों का यह अपग्रेडेशन या डिग्रेडेशन IFSR रिपोर्ट के अवधि यानि 2 वर्षों के दौरान किया जाता है।

*** **Note :–** 10% से कम Canopy वाले वनों को झाड़ी (Shurb) या गैर–वन (NF) के रूप में वर्गीकरण किया जाता है, जिसका तात्पर्य यह है कि जंगल साफ हो गया है।

❖ वनों का Balance–Sheet :

- ISFR–2023 से पता चलता है कि विगत दो वर्षों में भारत में 3913 km^2 (गोवा के क्षेत्रफल से ज्यादा) वन–क्षेत्र गायब हो गए हैं।
- 2013–2023 के बीच 17,500 km^2 वन–क्षेत्र खत्म हो गए थे। इसी दौरान 7,151 km^2 घने वन गायब हो गए।

❖ 2003–2023 : तुलनात्मक दृष्टिकोण

- इस अवधि में भारत ने अपने घने जंगलों का 6.3% या 24,651km^2 खोया है, जो पंजाब के क्षेत्रफल के आधे के बराबर है।
- 2021–2023 के दौरान 1,420 km^2 वृक्षावरण वाले क्षेत्र घने जंगल में परिवर्तित हो गए हैं, जो यह दर्शाता है कि घने जंगल लुप्त होते जा रहे हैं, जबकि मानव निर्मित वनों का क्षेत्रफल बढ़ रहा है, जो चिंतनीय है।
- पिछले दो दशकों में बेहतर प्रबंधन के कारण OF क्षेत्र का बड़ा हिस्सा MDF बन गया है।
- रिपोर्ट बताता है कि यह बदलाव 1370 km^2 का है जबकि सिर्फ 2021-23 के दौरान इसमें 716 km^2 की वृद्धि हुई है।
- ISFR के अस्पष्ट संशोधित डेटा से पता चलता है कि 2003–2023 के दौरान घने वन क्षेत्र में 21,601 km^2 की वृद्धि हुई है।

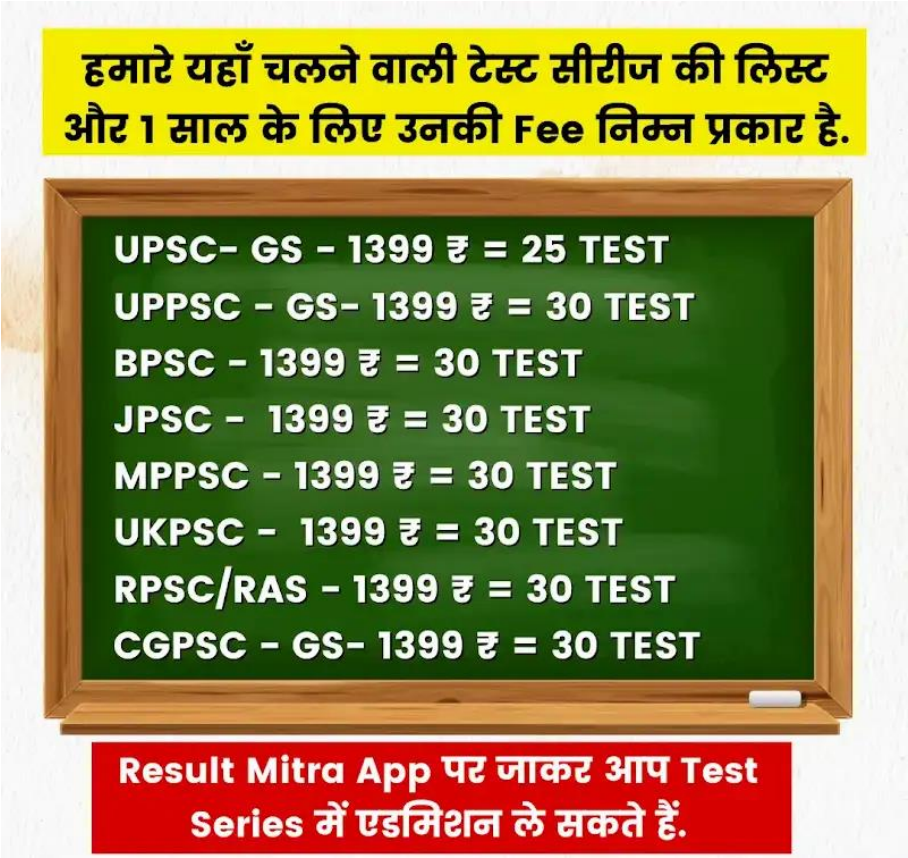

❖ **आलोचना :**

- वन क्षेत्र में लगातार बदलाव अर्थात प्राकृतिक घने जंगलों को वृक्षारोपण द्वारा परिवर्तित किए जाने की प्रवृत्ति विशेषज्ञों के अनुसार अनुकूल नहीं है।
- वृक्षारोपण में सामान्यत: एक ही उम्र एवं एक ही प्रजाति के पेड़ लगाए जाते हैं, जो आग, कीट अथवा किसी महामारी के प्रति समान रूप से संवेदनशील होते हैं, साथ ही ये प्राकृतिक वनों के पुनर्जनन में बाधा के रूप में कार्य करते हैं।
- वनावरण या प्राकृतिक जंगल अधिक जैव विविधता वाले होते हैं एवं पारिस्थितिकी तंत्र की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करते हैं।
- पुराने प्राकृतिक वन अपने ढांचे एवं मिट्टी में तुलनात्मक रूप से ज्यादा कार्बन जमा करते हैं।
- वृक्षारोपण को सामान्यत: तेज विकास के लिए बढ़ावा दिया जाता है, जो कार्बन लक्ष्यों को तेजी से प्राप्त कर सकते हैं लेकिन ये अस्थाई प्रवृत्ति के होते हैं क्योंकि इन्हें आसानी से काटा जा सकता है, जो लंबी अवधि के लिए जलवायु से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफलता का कारण बनता है।

❖ *** **क्षेत्रवार विवरण :**

वर्गीकरण	क्षेत्रफल (km^2)	क्षेत्रफल (%)
वनावरण	7,15,342.61	21.76
वृक्षावरण	1,12,014.34	3.41
झाड़ी	43,622.64	1.33
गैर–वन	24,16,489.29	73.50

❖ *** वनावरण एवं वृक्षावरण में वृद्धि दर्शाने वाले शीर्ष तीन राज्य –

- छत्तीसगढ़ – 684 km^2
- उत्तरप्रदेश – 559 km^2
- ओडिशा – 559 km^2

❖ *** वनावरण में वृद्धि दर दर्शाने वाले शीर्ष तीन राज्य–

- मिजोरम – 242 km^2
- गुजरात – 180 km^2
- ओडिशा – 152 km^2

❖ *** क्षेत्रफल के अनुसार, सर्वाधिक वनावरण एवं वृक्षावरण वाले शीर्ष तीन राज्य–

- मध्य प्रदेश – 85,724 km^2
- अरुणाचल प्रदेश – 67,083 km^2
- महाराष्ट्र – 65,383 km^2

❖ *** वनावरण प्रतिशतता की दृष्टि से शीर्ष तीन राज्य/UT –

- लक्षद्वीप – 91.33%
- मिजोरम – 85.34%
- अंडमान एवं निकोबार दीप समूह – 81.62%

❖ सर्वाधिक वृक्षावरण वाले शीर्ष राज्य –

- महाराष्ट्र – 14,524 km^2
- राजस्थान – 10,841km^2

- उत्तर प्रदेश – 8,950 km^2

❖ सर्वाधिक मैंग्रोव वन (प्रतिशतता) वाले राज्य –

- पश्चिम बंगाल – 42.45%
- गुजरात – 23.32%
- अंडमान एवं निकोबार दीप समूह – 12.19%

❖ *** महत्वपूर्ण तथ्य :

- वनावरण में 156 km^2 जबकि वृक्षावरण में 1289 km^2 की वृद्धि 17वीं IFSR की तुलना में दर्ज की गई है।
- 19 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 33% से ज्यादा क्षेत्रफल में वृक्षावरण एवं वनावरण है।
- 8 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में वृक्षावरण एवं वनावरण का समग्र क्षेत्रफल संबंधित राज्य/UT के क्षेत्रफल का 75% से ज्यादा है, जिनमें शामिल है–

1. लक्षद्वीप
2. मिजोरम
3. अंडमान एवं निकोबार दीप समूह
4. अरुणाचल प्रदेश
5. नागालैंड
6. मेघालय
7. त्रिपुरा एवं
8. मणिपुर

- देश में कुल मैंग्रोव वनावरण 4992 km^2 है, जो देश की भौगोलिक क्षेत्रफल का 0.15% है।
- इसमें लगभग 8 km^2 की कमी दर्ज की गई है।
- पश्चिम बंगाल में मैंग्रोव वनों का क्षेत्रफल 2114 km^2 (सर्वाधिक) है, जबकि गुजरात में 1140 km^2 एवं अंडमान एवं निकोबार दीप समूह में 617 km^2 मैंग्रोव वन है।
- मध्य प्रदेश में कुल 77,073 km^2 क्षेत्रफल के वनावरण के साथ देश में वनावरण के मामले में प्रथम है।
- भारत के वन एवं वनों के बाहर पेड़ों का कुल बढ़ता हुआ Stock 6430 मिलियन मीटर^3 है, जिसमें वन के अंदर 4479 मिलियन मीटर^3 एवं वनों के बाहर 1951 मिलियन मीटर^3 स्टॉक है।

- 2021 की तुलना में 2023 में कुल 262 मिलियन मीटर³ पेड़ों के स्टॉक में वृद्धि हुई है, जिसमें वनों के अंदर 91 मिलियन मीटर³ एवं वनों के बाहर 191 मिलियन मीटर³ शामिल है।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बांस के अंतर्गत 1,54,670 km² क्षेत्र शामिल है।
- 2021 की तुलना में बांस के विस्तार वाले क्षेत्रफल में 5,227 km² की वृद्धि दर्ज की गई है।
- ISFR–2023 के अनुसार, देश के वनों का कुल कार्बन स्टॉक 7285.5 मिलियन टन है, जो 2021 की तुलना में 81.5 मिलियन टन ज्यादा है।
- शीर्ष–3 कार्बन स्टॉक वाले राज्यों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र शामिल है।

❖ *** सर्वाधिक वनावरण वाले शीर्ष 3 राज्य –

- मध्य प्रदेश – 77073 km²
- अरुणाचल प्रदेश – 65832 km²
- छत्तीसगढ़ – 55812 km²

❖ *** वनावरण एवं वृक्षावरण में कमी दर्शाने वाले राज्य–

- मध्य प्रदेश – 612.41 km²
- कनार्टक –459.36 km²
- लद्दाख – 159.26 km²
- नागालैंड 125.22 km²

- 2023–24 के दौरान उत्तराखंड, ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ वनाग्नि के मामले में शीर्ष तीन राज्य रहे।

Note :– वन नीति के साथ-साथ जलवायविक एवं पारिस्थितिकी संतुलन की दृष्टि से कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 33% क्षेत्र पर वन होना चाहिए।

❖ दुनिया के शीर्ष–10 देश (वनावरण) :

क्रम	देश	% योगदान
1	रूस	20

2	ब्राजील	12
3	कनाडा	9
4	USA	8
5	चीन	5
6	ऑस्ट्रेलिया	3
7	कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	3
8	इंडोनेशिया	2
9	पेरू	2
10	भारत	2

❖ ** भारतीय वन सर्वेक्षण :

- राष्ट्रीय कृषि आयोग (1976) के सिफारिश के फलस्वरुप 1 जून 1981 को इसकी स्थापना हुई, जिसने 1965 में स्थापित 'वन संसाधनों के पूर्व निवेश सर्वे' का स्थान लिया।
- यह वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन एक संस्था है।
- इसका HQ देहरादून में है जबकि कोलकाता, शिमला, बेंगलुरु एवं नागपुर में 4 क्षेत्रीय कार्यालय है।
- इसका मुख्य कार्य वन संसाधनों का नियमित सर्वे एवं आकलन तथा निगरानी करना है।

MCQ –1 : 18वीं वन स्थिति रिपोर्ट–2023 के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से सत्य कथन के आधार पर विकल्प का चयन करें–

1. 17 वीं वन स्थिति रिपोर्ट–2021 की तुलना में वनावरण (Forest Cover) में मामूली वृद्धि, जबकि वृक्षावरण (Tree Cover) में मामूली कमी दर्ज की गई है।
2. गैर–वन क्षेत्र के अधीन आने वाले कुल भौगोलिक क्षेत्र, वन (Forest) के अधीन आने वाले भौगोलिक क्षेत्र से लगभग 4 गुना ज्यादा है।
3. 19 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 33% से ज्यादा क्षेत्र वनावरण (Forest Cover) के अंतर्गत शामिल है।
4. सर्वाधिक वनावरण (प्रतिशतता) के मामले में शीर्ष–3 में एक भी राज्य शामिल नहीं है।

a) केवल 1, 2 एवं 3

b) केवल 2, 3 एवं 4
c) केवल 3
d) केवल 3 एवं 4

Ans.–(c)

MCQ –2 : 18 वीं वन स्थिति रिपोर्ट–2023 के अनुसार, कुल 8 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं, जहां वनावरण कुल क्षेत्रफल के 75% से ज्यादा है। निम्न में कौन सा/से राज्य/केंद्र शासित प्रदेश उनमें शामिल नहीं है–

1. मणिपुर
2. मेघालय
3. नागालैंड
4. असम
5. दमन एवं दीव एवं नागर हवेली

a) केवल 1, 4 एवं 5
b) केवल 3, 4 एवं 5
c) केवल 4 एवं 5
d) केवल 2 एवं 5

Ans.– (c)

Mains– 1 : वृक्षावरण एवं वनावरण में मूल अंतर स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि वनावरण अथवा वृक्षावरण में पारिस्थितिकी तंत्र के अनुकूलन के लिए कौन सा सर्वथा उपयुक्त है एवं क्यों?

Mains –2 : 18वीं वन स्थिति रिपोर्ट– 2023 के प्रमुख परिणामों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए।

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806